मंडे पॉजिटिव ■ भादरा तहसील के छोटे से गांव किराड़ा बड़ा में जन्मे हरिकृष्ण आर्य को बचपन से थी विज्ञान विषय में रुचि, उसी से पाया मुकाम

आर्य ने 20 देशों में ली 1500 कक्षाएं, अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वर्चुअल रियलिटी पर कर रहे काम

भास्कर संवाददाता | हनुमानगढ़

आज आपको मिलवा रहे हैं विश्व के 20 देशों में 1500 से अधिक कक्षाएं लेने वाले माइक्रोसॉफ्ट के अधिकृत इनोवेटिव एजुकेटर एक्सपर्ट हरिकृष्ण आर्य से। भादरा तहसील के छोटे से गांव किराड़ा बड़ा में जन्मे हरिकृष्ण आर्य को बचपन से ही विज्ञान विषय में विशेष रुचि रही। जंक्शन स्थित राजकीय स्कूल में 1996 को प्रिंसिपल का पदभार संभालने वाले आर्य ने 15 साल तक इस स्कूल में सेवाएं दी। बायोलॉजी और पर्यावरण विज्ञान विषय के एक्सपर्ट आर्य बताते हैं कि शिक्षा में नवाचार करने के लिए उन्हें 2012 में माइक्रोसॉफ्ट इनोवेटिव एजुकेटर एक्सपर्ट के रूप में चुना गया था। तब से लेकर वर्तमान तक वे इसी पद पर काबिज हैं। उसके बाद से वे लगातार कई देशों में गए और वहां की शिक्षा क्षेत्र में भी नवाचार किए।

आर्य बताते हैं कि वे अब भी रोजाना ऑनलाइन क्लासेज लेकर देश विदेश में बैठा बच्चों को पढ़ाते हैं। गत 5 वर्षों में उन्हें माइक्रोसॉफ्ट इनोवेटिव एजुकेटर एक्सपर्ट का फेलो भी बनाया गया है। आर्य अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और कार्यशालाओं में भाग ले चुके हैं और अपनी विभिन्न प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत कर चुके हैं। वे माइक्रोसॉफ्ट के अधिकृत इनोवेटिव एजुकेटर एक्सपर्ट, इनोवेटिव एज्यूकेटरफेलो, मास्टर ट्रेनर और ग्लोबल ऑनलाइन टीचिंग एक्सपर्ट हैं। विश्व के 20 से अधिक देशों जैसे अमरीका, सिंगापुर, पैरिस, रोमानिया आदि में वे अब तक 1500 से अधिक कक्षाएं ले चुके हैं।

आर्य एआई के आधार पर बच्चों को पढ़ाने के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, ये वो तकनीक जिसने रोबोटिक्स की दुनिया को बदल के रख दिया है

आर्य ने बताया कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वर्चुअल रियलिटी के आधार पर बच्चों को पढ़ाने के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वह तकनीक है, जिसमें एक कंप्यूटर प्रोग्राम दिए जा रहे निर्देशों को समझने के बाद उन्हें संरक्षित करता है और उनके आधार पर भविष्य की जरूरतों को समझते हुए निर्णय देता है। एआई ने मशीनों के बीच संवाद को भी मुमकिन बना दिया है। असल में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' ने रोबोटिक्स की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। रोबोट में अब इस तकनीक के चलते नया सीखने की क्षमता आ गई है। अब वह बहुत से काम करने का निर्णय खुद भी ले सकता है।

शिक्षा नीति तैयार करने वाली कमेटी के सदस्य भी हैं आर्य

प्रदेश की शिक्षा नीति को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तय प्रारूप के अनुसार बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने राज्य स्तर पर एक समिति का गठन किया था। इस तीन सदस्यीय समिति में हरिकृष्ण आर्य को भी सदस्य बनाया गया है। यह समिति वर्ष 2019 की शिक्षा नीति के प्रारूप व अग्रणी राज्यों की शिक्षा नीति का अध्ययन करते हुए राज्य की शिक्षा नीति तैयार करने के लिए आधारभूत कार्य को पूरा करेगी। बड़ी बात ये है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत होने वाले शिक्षक प्रशिक्षणों के लिए इन्हें नेशनल मेंटर बनाया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में किए गए इन्हीं कार्यों और उपलब्धियों के आधार पर ही आर्य को यह जिम्मेदारी दी गई है।

ऐसे होता है माइक्रोसॉफ्ट कंपनी में चयन

माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने एक कम्युनिटी बनाई हुई है। जिसमे शिक्षकों को अपने प्रोजेक्ट्स और पढ़ाने का तरीका आदि की विडियो बनाकर अपलोड करनी होती है। हर वर्ष कंपनी शिक्षकों के आवेदन लेती है और उन्हें उनकी क्रिएटिविटी के आधार पर चयन करती है। पूरी दुनिया से सिर्फ कुछ ही शिक्षक ऐसे होते हैं जो इसमें सेलेक्ट हो पाते हैं। उसके बाद कंपनी देश विदेश में उन्हें भेजती है जहां से अन्य एक्सपर्ट भी पहुंचते हैं। वहां ये एक्सपर्ट पैनल आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर की सहायता से पढ़ाने के नए नए तरीके निकालती है और बच्चों तक पहुंचाती है।

देश विदेश में भी हो चुके सम्मानित

शिक्षा के क्षेत्र में अपने नवाचार के लिए हरिकृष्ण आर्य को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया जा चुका है। 4 अगस्त 2004 को उन्हें तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम से कंप्यूटर लिटरेसी एक्सीलेंसी का अवार्ड मिला। वर्ष 2012 में शिक्षक दिवस पर उन्हें आईसीटी अवार्ड से नवाजा गया। आर्य सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी को शिक्षा में समन्वित करने और उसके नवाचारी उपयोग करने के लिए अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं।